सरदार मजीठिया : यह सवाल तो इस सवाल से ताल्लुक नहीं रखता है । मगर उनकी तनख्वाह का जो सवाल है, उस पर जरूर विचार होगा ।

डेनमार्क में अध्ययन के लिए भारतीय युवकों को निमंत्रण

*१२३२. **श्री विभूति मिश्र** : क्या शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जून, १९५७ में प्रधान मंत्री की डेनमार्क की यात्रा के समय सरकार को यह निर्णय दिया गया था कि डेन्मार्क में तीन महीने के लिये कृषि, वाणिज्य और संस्कृति के अध्ययन के लिये २५ भारतीय युवक भेजे जायें; और

(ख) यदि हां, तो उनका चुनाव किस आधार पर किया जायेगा और उनका यात्रा-व्यय इत्यादि कौन वहन करेगा ?

शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० का० ला० श्रीमाली): (क) जी, हां ।

(ख) यह विषय विचाराधीन है ।

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि ये जो २५ आदमी यहां से जायेंगे वे क्या विभिन्न स्टेटस में से लिए जायेंगे और क्या उनका चुनाव करते समय उनके शिक्षा दीक्षा का कोई परिमाण निश्चित किया गया है, क्या उनके लिए कोई खास क्वालिफिकेशंस निश्चित की गई हैं, यदि हां तो क्या क्या ?

डा० का० ला० श्रीमाली : जहां तक उनकी सिलैक्शन का सवाल है, उस पर अभी विचार किया जा रहा है । जो डेनिश ब्रांच आफ दी वर्ल्ड फ्रेंडशिप फैड्रेशन है, उन्होंने हमको आमंत्रण दिया है कि हम २५ व्यक्ति यहां से वहां भेजें जो कि तीन महीने तक डेनमार्क में रहें तथा वहां रहने का खर्च डेनमार्क एसोसियेशन उठायेगी और उसके वे मेहमान होंगे । बाकी जो डिटेल्स हैं कि किस तरीके से यह लोग लिये जायेंगे, इसकी योजना अभी नहीं बनाई गई है ।

श्री विभूति मिश्र : मैं जानना चाहता हूं कि यहां से जो भाई जायेंगे वे पूरी तरह भारतीय संस्कृति के प्रेमी होंगे और इसका तो खतरा नहीं रहेगा कि वे वहां के कलचर में चले जायेंगे ?

डा० का० ला० श्रीमाली : मैं आशा करता हूं कि जो भी यहां से व्यक्ति जाते हैं, वे भारतीय संस्कृति से पूरी तरह ओतप्रोत होते हैं और उनका दूसरी संस्कृति में जाने का और अपनी भारतीय संस्कृति को भुला देने का कोई प्रश्न नहीं उठता है । डेनमार्क में जो लोग जाने वाले हैं, यह ख्याल है कि वहां के जीवन से, जो वहां का एग्रीकलचरल, इंडस्ट्रियल और को-आपरेटिव मूवमेंट है, उनसे इन लोगों का परिचय कराया जायगा ।

Shri Ajit Singh Sarhadi: Will Government consider the feasibility of sending only farmers' sons for study of agriculture?

Dr. K. L. Shrimali: It is a suggestion for action

Shri P. R. Patel: Will persons working in agricultural organisations in India be sent?

Dr. K. L. Shrimali: All these matters have still to be considered.

Boot Manufacturing Plant

*1236. **Shri S. M. Banerjee:** Will the Minister of **Defence** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 887 on the 8th December, 1954 and state at what stage is the proposal to instal a boot manufacturing plan in H. & S. Factory, Kanpur?